AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्नातक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

लविवि : 31 मई आवेदन करने की अंतिम तिथि, एलयूआरएन पोर्टल पर कराना होगा पंजीकरण

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2024-25 में स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए शुक्रवार को आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई है।

विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न विभागों में स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की 4250 सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश फॉर्म भरने के लिए अभ्यर्थियों को विवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के जरिये एलयूआरएन पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद ही फॉर्म भरा जा सकेगा। मोबाइल पर भी एलयू का एप डाउनलोड कर फॉर्म भरा जा सकता है। समस्या पर अभ्यर्थी हेल्पलाइन नंबर 0522- 4150500 पर संपर्क कर सकते हैं।

क्यूआर कोड से भी भरें फॉर्म

विवि ने ऑनलाइन फॉर्म भरने की व्यवस्था में इस वर्ष एक नया प्रयोग किया है। जो अभ्यर्थी वेबसाइट पर माबाधच्ची न करना चाह रहे हों, वे क्यूआर कोड से फॉर्म भर सकते हैं। इसके लिए अलग से कोई शुल्क नहीं लगेगा।

विभिन्न संकायों की 4250 सीटों पर विद्यार्थियों के लिए जाएंगे दाखिले

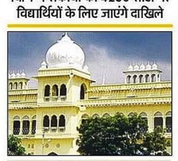

विषयों का किया पुनर्निर्धारण

- विवि ने नए सत्र में नई शिक्षा नीति के तहत बीए में विषय चयन के ग्रुप को पुनर्निर्धारित कर दिया है। सभी विषयों को ए से लेकर एच तक के ग्रुप में बांटा गया है। कोई भी अभ्यर्थी लविवि या संबद्ध कॉलेज में प्रवेश लेता है तो उसे इन्हीं ग्रुप में से विषय चयन करना होगा। इसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर है।

अलग-अलग वर्गों के लिए ये होंगे आवेदन शुल्क

- स्नातक में सामान्य और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 800 रुपये और एससी-एसटी के लिए 400 रुपये होगा। स्नातक प्रोफेशनल कोर्स में सामान्य और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए 1000 और एससी-एसटी के लिए 500 रुपये शुल्क होगा। डीफार्म में सामान्य व ओबीसी अभ्यर्थियों को एक हजार और एससी-एसटी को 500 रुपये देना होगा। बीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन के लिए सामान्य व ओबीसी वर्ग को 1600 एवं अन्य को 800 रुपये देने होंगे।

72 घंटे के पहले दोबारा न जमा करें फीस

- प्रो. दुर्गेश ने बताया कि एक बार ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने के बाद अभ्यर्थी 72 घंटे के पहले दोबारा फीस न जमा करें। फॉर्म में अभ्यर्थी की फोटो व सिग्नेचर की स्कैन कॉपी 50 केबी के अंदर हो। यदि किसी अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ लेना है तो उसके प्रमाणपत्र की स्कैन कॉपी (50 केबी के अंदर) अपलोड करनी होगी। अभ्यर्थी फॉर्म भरते समय एडमिशन बाउचर में दिए सभी निर्देश जरूर पढ़ लें।

इन शर्तों के मुताबिक चुन सकेंगे विषय

- प्रो. दुर्गेश ने बताया कि प्रत्येक ग्रुप से एक ही विषय का चयन किया जा सकता है। मेजर के रूप में आर्वटित विषय को माइनर के रूप में नहीं लिया जा सकता है। जिस ग्रुप में से मेजर विषय लिए गए हैं, उस ग्रुप से माइनर विषय नहीं लिया जा सकता है। सांख्यिकी विषय को माइनर के रूप में नहीं लिया जा सकेगा। जिस ग्रुप में से मेजर विषय लिए गए हैं, उसी ग्रुप से माइनर विषय नहीं लिया जा सकेगा। संख्यिकी के साथ गणित विषय लेना अनिवार्य है।

स्नातक की सीटों का ब्योरा

पाठ्यक्रम	सीटें
बीए	1350
बीएससी बायो	280
बीएससी मैथ्स	470
बीकॉम ऑनर्स	180
बीकॉम एनईपी चार वर्षीय	450
बीकॉम सेल्फ फाइनेंस	240
चार वर्षीय	
एलएलबी पांच वर्षीय	160
बीसीए	120
बीबीए	300
बीबीए टूरिज्म	60
डीफार्म	60
बीए/बीएससी योगा	60
बीवोक रिन्यूबल एनर्ज	25
शास्त्री	25

(नोट- सूची में ईडब्ल्यूएस सीटों का जिक्र नहीं है।)

आर्ट्स कॉलेज में साइनेज बताएंगे राह

एप्लायड आर्ट्स विभाग के छात्र ने बनाया मॉडल, कॉलेज में जल्द लगेंगे

आयुष तिवारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय (आर्ट्स कॉलेज) में विभागों को खोजने के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। यहां लगे साइनेज उन्हें विभागों और कक्षाओं की राह दिखाएंगे। यह संभव होगा एप्लायड आर्ट्स विभाग के एमए दूसरे वर्ष के छात्र अरविंद सिंह के बनाए विशेष मॉडल से। इसकी मदद से आसानी से जानकारी मिल सकेगी।

छात्र ने अपना यह मॉडल प्राचार्य प्रो. रतन कुमार के सामने भी प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने इसकी सराहना करते हुए इसे और विकसित करने की सलाह दी है। इसके लिए उन्होंने छात्र को आर्थिक मदद देने का भी आश्वासन दिया है। ये साइनेज जल्द ही कॉलेज में लगवाए जाएंगे। इस पर काम शुरू कर दिया गया है। (संवाद)

एप्लायड आर्ट्स के छात्र अरविंद सिंह व उनका मॉडल। -स्वयं

गूगल मैप और गूगल अर्थ की ली मदद

अरविंद ने बताया कि कॉलेज की साइबेरी में मौजूद यहां के ब्रीदी नक्शे से विभागों एवं अन्य स्थानों की जानकारी हो जाती है, लेकिन वास्तविक जगह कहां है यह पता करना कठिन था। इसके लिए गूगल मैप और गूगल अर्थ का उपयोग कर कॉलेज को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित कर मॉडल को विकसित किया।

विभाग की पहचान को होंगे रंग

ललित कला संकाय में पांच विभाग मूर्तिकला, पेंटिंग एवं एप्लायड आर्ट्स, क्राफ्ट एवं टेक्सटाइल हैं। परिसर में रणबीर सिंह विष्ट छात्रावास और हलदर सभागार सहित अन्य भवन भी हैं। साइनेज सिस्टम में इन सभी के लिए अलग-अलग रंग होंगे। इससे उनकी पहचान आसान होगी। इसको पूरी तरह से लागू करने में करीबन 25 हजार रुपये का खर्च आएगा।

लविवि में दो दिनी रोजगार मेला 15 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 15 और 16 अप्रैल को रोजगार मेला लगेगा। मेले में बंधन, आईसीआईसीआई बैंक, अल्फा इंजीनियर्स, इंडियाना फूड और स्टॉकार्ट जैसी कई कंपनियां शामिल होंगी। कंपनियां साक्षात्कार के आधार पर विद्यार्थियों को नौकरियां देंगी। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सांइसेस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि यह जॉब फेयर बीबीए, एमबीए और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए है। कंपनियां बच्चों को नौकरी और पेड इंटर्नशिप का मौका भी देंगी। (संवाद)

स्किमागो रैंकिंग में लविवि को 91वां स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्किमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग 2024 में 181वें पायदान से छलांग लगाते हुए 91वां स्थान हासिल किया है। रैंकिंग में देश भर के 324 संस्थान शामिल थे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि तीन श्रेणियों में विवि ने अच्छा प्रदर्शन किया है। (संवाद)

i-NEXT PAGE 6

NBT PAGE 2

LU में 4250 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू, आवेदन के लिए LURN जरूरी

स्नातक दाखिले के आवेदन 31 मई तक

ऐडमिशन अलर्ट

- एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में सत्र 2024-25 में स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 31 मई तक ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। सभी प्रवेश केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के अंतर्गत होंगे। प्रवेश लेने के लिए एलयूआरएन भी जरूरी होगा।

वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि स्टूडेंट www.lkouniv.ac.in के ऐडमिशन पेज में यूजी ऐडमिशन पर जाकर प्रवेश संबंधित सभी सूचनाएं प्राप्त कर सकते हैं। फॉर्म भरने से पहले अभ्यर्थी को एडमिशन पेज पर लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) पंजीकरण करवाना होगा। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आवेदन में कोई समस्या होने पर स्टूडेंट हेल्पलाइन नंबर-0522-4150500 पर सुबह 10 से शाम 6 बजे संपर्क कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- फार्म भरने के पूर्व ऐडमिशन बॉउचर में दिए सभी निर्देश अवश्य पढ़ लें।
- अभ्यर्थी के फोटो की स्कैन कॉपी, सिग्नेचर की स्कैन कॉपी और आरक्षण लाभ के लिए प्रमाणपत्र की स्कैन कॉपी 50 KB के अंदर हो।
- ऑनलाइन फीस जमा करने के बाद रेफर्न्स मेसेज न आने पर 72 घंटे के भीतर दोबारा फ़ीस न जमा करें।

कोर्स वाइज सीटें

कोर्स	सीटें
बीए	1350
बीएससी बायो	280
बीएससी मैथ्स	470
बीकॉम ऑनर्स	180
बीकॉम एनईपी	450
बीकॉम एसएफ एनईपी	240
एलएलबी पाइव इयर	160
बीसीए	120
बीबीए	300
बीबीए टूरिज्म	60
डीफार्म	60
बीए/बीएससी योगा	60
बीवोक रिन्यूबल एनर्जी	25
शास्त्री	25

SIR में LU को 91वां स्थान

- एनबीटी सं, लखनऊः स्किमागो इंस्टिट्यूशंस रैंकिंग (एसआईआर)-2024 में एलयू को 91वां स्थान मिला है। एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि वर्ष 2023 में एलयू को 181वां स्थान मिला था। इस बार इसके लिए 324 भारतीय संस्थानों ने आवेदन किया था। इस बार सामाजिक प्रभाव की श्रेणी में एलयू को 21वीं रैंकिंग मिली है, जबकि 2023 में इसमें 139वीं रैंक थी।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयूः स्नातक में प्रवेश प्रक्रिया शुरू 31 मई तक कर सकते हैं आवेदन

स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की 4250 सीटें

दाखिले की दौड़

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि की केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के जरिए शैक्षिक सत्र 2024-25 में दाखिले होंगे। फॉर्म भरने से पहले एलयूआरएन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। आवेदन फार्म भरने की अंतिम तारीख 31 मई तय की गई है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू की वेबसाइट **www.lkouniv.ac.in** पर प्रवेश सम्बन्धित सभी सूचनाएं हैं। प्रवेश फॉर्म अभ्यर्थी एलयू का ऐप डाउनलोड करके भी भर सकते हैं। कुलपति बताते हैं कि केंद्रीयकृत प्रवेश फॉर्म भरने के पहले हर अभ्यर्थी को एलयूआरएन पंजीकरण अनिवार्य है। एलयू प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर हेल्पलाइन नंबर-0522-4150500 पर सुबह 10 बजे से शाम 6 तक कॉल करके मदद ली जा सकती है।

बीए एनईपी में हर ग्रुप से एक विषय का करना होगा चयन : एलयू में सत्र 2024-25 से पहले बीए एनईपी में 11 ग्रुप थे। अब ग्रुप कम करके आठ कर दिया गया है। हालांकि विषयों का चयन करने में शर्तें हैं। हर ग्रुप से एक ही विषय का चयन किया जा सकता है। मेजर के रूप में आवंटित विषय को माइनर के रूप में नहीं लिया जा सकता है। जिस ग्रुप से मेजर विषय लिए गए हैं उस ग्रुप से माइनर विषय नहीं लिया जा सकता है। सांख्यिकी विषय को माइनर के रूप में नहीं लिया जाएगा, जब अभ्यर्थी ने मेजर के रूप में गणित विषय लिया हो। सांख्यिकी विषय के साथ गणित विषय लेना अनिवार्य है।

800 सामान्य व ओबीसी के लिए आवेदन शुल्क

400 एससी, एसटी और दिव्यांगजनों के लिए

अधिकतम आवेदन शुल्क 1600 रुपये

स्नातक पाठ्यक्रम में सामान्य व ओबीसी वर्ग के लिए 800 और एससी, एसटी और दिव्यांगजनों के लिए 400 आवेदन शुल्क तय किया गया है। यूजी प्रोफेशनल पाठ्यक्रम यानी बीबीए और बीसीए के लिए सामान्य व ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को 1000 और एससी, एसटी व दिव्यांगजनों को 500 देना होगा। वहीं डीफॉर्मा के लिए क्रमशः 1000 व 500 रूपये और बीएलएड के लिए 1600 व 800 शुल्क देय होगा।

फॉर्म भरते वक्त इन जरूरी बातों का रखें ख्याल

- फार्म भरने के पूर्व ब्रोशर में दिए सभी निर्देश अवश्य पढ़ लें। उसमें लिखे दिशा निर्देशों का पालन करें।
- अभ्यर्थी के फोटो व हस्ताक्षर की स्कैन कॉपी 50 केबी में हो।
- आरक्षण का लाभ लेना है तो उसके प्रमाणपत्र की स्कैन कापी 50 केबी के अंदर हो।
- प्रवेश फॉर्म की फीस ऑनलाइन जमा करने के बाद, 72 घंटे के पहले दोबारा फीस न जमा करें।

सीटों का ब्योरा

पाठ्यक्रम	सीटें
बीए	1350
बीएससी बायो	280
बीएससी मैथ्स	470
बीकॉम ऑनर्स	180
बीकॉम एनईपी चार वर्षीय	450
बीकॉम सेल्फ फाइनेंस	
चार वर्षीय	240
एलएलबी पांच वर्षीय	160
बीसीए	120
बीबीए	300
बीबीए टूरिज्म	60
डीफार्मा	60
बीए/बीएससी योगा	60
बीवोक रिन्यूबल एनजी	25
शास्त्री	25

(नोट- उक्त दी गई सारणी में ईडब्ल्यूएस सीट का जिक्र नहीं है।)

स्किमागो रैंकिंग में विवि को 91वां स्थान मिला

स्किमागो रैंकिंग में पूरे देश में 91वां स्थान प्राप्त हुआ है। एलयू को यह रैंकिंग रिसर्च, इनोवेशन और डिजिटल प्रेजेंस की वजह से हासिल हुई है। इससे पहले 281वीं रैंक थी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस बाबत जानकारी दी।

इंजीनियरिंग और प्रबंधन छात्रों के लिए नौकरी के मौके

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। नौकरी के लिए चयनित होने वाले छात्रों को लाखों का पैकेज मिलेगा।

एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सांइसेस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि छात्रों के लिए लगातार जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। जिससे उन्हें नौकरी के अच्छे मौके मिल सकें। उन्होंने बताया कि 15 और 16 अप्रैल को आईआईए के साथ मिल कर सुबह 10 बजे से द्वितीय परिसर में जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। इसमें बंधन बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, प्रिन्स सीमेंट, अल्फा इंजीनियर्स, इंडियाना फूड और स्टॉकार्ट जैसी कई कंपनियां शामिल होंगी। प्रो. विनीता काचर का कहना है कि रोजगार मेले में इंजीनियरिंग, बीबीए और एमबीए के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। जिन्हें अलग-अलग कंपनियों में नौकरी और पेड इंटर्नशिप का मौका मिलेगा।

THE PIONEER PAGE 3

Varsity improves SCImago ranking

PNS ■ LUCKNOW

Among the 324 Indian institutions participating in the SCImago Institutions Rankings (SIR), 2024, released on Friday, Lucknow University has been ranked 91, a big jump from the 181st position in 2023.

SIR is a classification of academic and research-related institutions ranked by a composite indicator that combines three different sets of indicators based on research performance, innovation outputs and societal impact measured by their web visibility. It has secured a very high ranking in societal impact category.

LU had secured 21st ranking in the societal impact category as compared to 139th rank in 2023.

Prof Alok Kumar Rai said, "As the vice-chancellor of the University of Lucknow, I am pleased to share that our institution has demonstrated commendable performance on SCImago. This academic achievement bodes well with our other rankings for which we have been working consistently over the years. Through collaborative efforts and a commitment to excellence in education and research, we have consistently enhanced our standing in various disciplines."

TEAM OF AUDITORS TO VISIT LU

A team of 34 auditors from 23 countries will be visiting the University of Lucknow as part of the '159th International Training Programme on Performance Audit' being organised by International Centre for Information Systems and Audit (iCISA).

iCISA is the premier training institute of SAI India which deals in capacity building of auditors across the globe primarily in areas related to IS audit and data analytics.

"The 34 auditors from 23 countries shall visit the University of Lucknow to understand the journey to academic excellence being pursued by the university and the various initiatives that have paved the way for the current academic standing of the university," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

During this visit, a presentation will be made to showcase the university's achievements and the processes that have led to the current status. The presentation will also include details of the financial, administrative and auditing processes undertaken by the university.

JAGRAN CITY PAGE III

पीएम उज्ज्वला योजना का लाभ पाने में उत्तर प्रदेश नंबर वन

जासं, लखनऊः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से सात साल पहले शुरू की गई पीएम उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का लाभ पाने में उत्तर प्रदेश के लोग नंबर एक पर हैं। यह आंकड़ा एक करोड़ 75 लाख के पार हो गया है। उसके बाद पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा जैसे राज्य हैं। इस योजना से पहले वर्ष 2010 में भारत में सिर्फ 14.2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास गैस कनेक्शन था। 2022 में यह आंकड़ा 99.8 प्रतिशत तक पहुंच गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अर्थशास्त्री प्रो. एफके अग्रवाल व उनकी टीम की ओर से किए गए शोध में यह तथ्य सामने आए हैं। हाल ही में यह रिसर्च पेपर भारत की ग्रामनामिक्स आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से सामाजिक समावेशन प्राप्त करना' शीर्षक से प्रकाशित शोध पर प्रो. अग्रवाल व उनकी टीम में शामिल शोधार्थी गरिमा मिश्रा व सामिया अंसारी एक वर्ष से अधिक से कार्य कर रहे थे। प्रो. एफके अग्रवाल बताते हैं कि अब तक उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ तीन लाख बीपीएल परिवारों को गैस कनेक्शन दिया जा चुका है। इसमें वंचित व निर्धन परिवारों के आर्थिक, सामाजिक समावेशन में व्यापक मदद मिली। साथ ही लाभार्थी परिवारों को स्वच्छ ईंधन व उससे उनके बेहतर स्वास्थ्य को भी देखा गया है, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल रहे। इस योजना से पहले ग्रामीण क्षेत्रों में आधे से कम परिवारों के पास गैस कनेक्शन की सुविधा थी। अब 99.8 प्रतिशत गैस कनेक्शन होने से केरोसीन व कोयले जैसे घातक घरेलू ईंधन का उपयोग लगभग समाप्त हो गया है, जो स्वास्थ्य के लिए उत्तम है।

भारत में एलपीजी के आंकड़े : वर्ष 1977 में 32 लाख परिवार एलपीजी गैस कनेक्शन पाने वाले थे। 1984 में यह संख्या 88 लाख, 1990 में एक करोड़ 96 लाख पहुंच गई। 2015 में कुल गैस कनेक्शन वाले 1486 लाख, 2020 में 2787 लाख और 2022 में बढ़कर 32.50 करोड़ हो गए।

1977 में 32 लाख परिवारों में था गैस कनेक्शन

2022 में बढ़कर 32.50 करोड़ हो गई संख्या

प्रो. एफके अग्रवाल

उज्ज्वला योजना में इन राज्यों में गैस कनेक्शन की स्थिति (एक अप्रैल 2023 तक)

- उत्तर प्रदेश : एक करोड़ 75 लाख
- पश्चिम बंगाल : एक करोड़ 24 लाख
- बिहार : एक करोड़ सात लाख
- मध्य प्रदेश : 82 लाख
- राजस्थान : 69 लाख
- असम : 44 लाख

भारत में घरेलू ईंधन के उपभोग में प्रगति

कुकिंग फ्यूल

प्रकार	2010 शहरी	2010 ग्रामीण	2010 कुल	2015 शहरी	2015 ग्रामीण	2015 कुल	2020 शहरी	2020 ग्रामीण	2020 कुल
केरोसिन	4.9	0.6	2.2	2	0.4	1	0.5	0.2	0.4
गैस	69.9	14	35.1	81.3	26.8	47.1	90.7	52.8	67.2
बिजली	0.1	0	0.1	0.2	0.1	0.1	0.2	0.2	0.2
बायोमास	21.5	84	60.3	14.25	71.6	50.2	7.2	45.8	31.2
कोयला	2.5	0.7	1.4	1	0.3	0.6	0.2	0.1	0.1

लवि : स्नातक कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों की 4,250 सीटों पर होंगे दाखिले

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए सत्र 2024-25 में स्नातक व स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुक्रवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ किया। अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से आनलाइन फार्म 31 मई तक भर सकते हैं। विश्वविद्यालय और कालेजों में दाखिले के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय पंजीकरण नंबर पर पंजीकरण अनिवार्य होगा।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक व स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों के तहत विश्वविद्यालय में लगभग 4,250 सीटों पर प्रवेश होंगे। आवेदन फार्म अभ्यर्थी मोबाइल के माध्यम से भर सकते हैं। साथ ही जो महाविद्यालय केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होंगे, उनकी सीटों पर भी विश्वविद्यालय आनलाइन माध्यम से प्रवेश लेगा। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। प्रवेश फार्म की फीस आनलाइन जमा करने के बाद 72 घंटे के पहले दोबारा फीस न जमा करने की सलाह दी गई है।

हेल्पलाइन नंबर : किसी भी समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 पर सुबह 10 से शाम छह बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

कोर्स वार सीटें: बी.ए 1350, बी.एससी. बायो 280, बी.एससी. मैथ 470, बी.कॉम. आनर्स 180, बी.काम. एनईपी चार वर्षीय 450, बी.काम सेल्फ फाइनेंस एनईपी चार वर्षीय 240, एलएल.बी. (पांच वर्षीय) 160, बी.सी.ए. 120, बी.एससी. 300, बी.बी.ए. 300, बी.बी.ए. टूरिज्म 60, डी.फार्म 60, बी.ए./बी.एससी. योग 60, बी.वाक रिनेवेबल एनर्जी 25, शास्त्री 25, बी.सी.ए पोंटिग (रेगुलर) 18, सेल्फ फाइनेंस 14, बी.वो.ए अप्लाइड आर्ट रेगुलर 18, सेल्फ फाइनेंस 14,, बी.वो.ए स्कल्पचर रेगुलर 14, सेल्फ फाइनेंस पांच, बी.एफ.ए टेक्सटाइल डिजाइन सेल्फ फाइनेंस 10 सीटें।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को नए सत्र के लिए लगातार आवेदन प्रक्रिया का शुभारंभ किया। ■ सौजन्य : लखनऊ विश्वविद्यालय

ये है आवेदन शुल्क

यूजी सामान्य, ओबीसी : 800 रुपये, एससी-एसटी, फिजिकल हैंडीकैप (पीएच)- 400 रुपये

यूजी प्रोफेशनल (बी.बी.ए, बी.सी.ए.) : सामान्य, ओबीसी वर्ग-एक हजार रुपये

एससी-एसटी, पीएच- 500 रुपये

डी.फार्म : सामान्य, ओबीसी : एक हजार रुपये, एससी-एसटी, पीएच- 500 रुपये

बी.एल.एड : सामान्य, ओबीसी वर्ग 1600 रुपये, एससी-एसटी व पीएच- 800 रुपये

इस यूआर कोड को स्कैन करने पर एलयूआरएन का पंजीकरण होगा

आठ ग्रुप से ही चुनने होंगे बीए एनईपी के विषय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 से बी.ए एनईपी के अंतर्गत विषय चयन के ग्रुप को पुनर्निर्धारित कर दिया है। इसके सभी विषयों को ए से एच तक के ग्रुप में बांटा गया है। कोई भी अभ्यर्थी लखनऊ विश्वविद्यालय या उससे सम्बद्ध महाविद्यालय में बी.ए एनईपी में प्रवेश लेता है उसे इन्हीं ग्रुप में से विषय चयन करने होंगे।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बी.ए एनईपी में प्रवेश के लिए विषयों का चयन के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। दिए गए आठ ग्रुप में से प्रत्येक ग्रुप से एक ही विषय का चयन किया जा सकता है। मेजर के रूप में आवंटित विषय को माइनर के रूप में नहीं लिया जा सकेगा।

इसका रखें ध्यान

उन्होंने बताया कि जिस ग्रुप में से मेजर विषय लिया गया है, उससे माइनर विषय नहीं लिए जा सकेंगे। सांख्यिकी विषय को माइनर के रूप से तभी लिया जाएगा, जब अभ्यर्थी ने मेजर के रूप में गणित विषय लिया हो। सांख्यिकी विषय के साथ गणित विषय लेना अनिवार्य है।

ये है शुल्क और सब्जेक्ट

- ग्रुप एः हिंदी, लिंग्विस्टिक्स, फंक्शनल हिंदी, उर्दू
- ग्रुप बीः अंग्रेजी, गणित, फंक्शनल संस्कृत, संस्कृत
- ग्रुप सीः प्राचीन भारतीय इतिहास, पशियन कल्चर, इतिहास
- ग्रुप डीः अर्थशास्त्र, ज्योतिर्विज्ञान, फ्रेंच, अरब कल्चर, अरेबिक, फीशियन
- ग्रुप ईः भूगोल, गृह विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, साख्यिकी, फिलासफी
- ग्रुप एफः राजनीति विज्ञान, रक्षा अध्ययन, लोक प्रशासन, यात्रा और पर्यटन
- ग्रुप जीः समाजशास्त्र, सामाजिक कार्य, मानव-विज्ञान
- ग्रुप एचः मनोविज्ञान, एनसीसी

इन कालेजों में भी तैयारी

लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े कई कालेजों ने आवेदन शुरू करने की तिथि जारी कर दी है. अब नवयुग कन्या महाविद्यालय, शिया पीजी कालेज, महिला महाविद्यालय भी जल्द ही प्रवेश समिति की बैठक कर आवेदन प्रक्रिया शुरू करेगा.

पांच विषयों में मिले सीटों से कम पात्र अभ्यर्थी

लवि में अब तक सत्र 2023-24 के पीएच.डी. दाखिले के लिए 35 विषयों में मेरिट और सीट आवंटन जारी किया जा चुका है। इनमें से पांच ऐसे विषय हैं, जिसमें प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के बाद जारी परिणाम में सीटों के सापेक्ष कम अभ्यर्थी सफल हो पाए हैं। ऐसे में इनमें बची सीटें खाली रहेंगी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी विवरण के अनुसार जुलाजी में 67 सीटों पर सिर्फ 48 अभ्यर्थी ही पात्र पाए गए। एंथ्रोपोलाजी में 10 सीटों पर 10 सफल रहे। शारीरिक शिक्षा 22 सीटों के सापेक्ष सिर्फ 16 अभ्यर्थी ही मिले। बाटनी में 37 सीटों पर 36, अरेबिक में पांच सीट पर चार और भौतिक विज्ञान में 78 सीटों पर सिर्फ 23 अभ्यर्थी दाखिले के लिए पात्र हुए।

स्किमागो रैंकिंग में लविवि को देश में मिला 91वां स्थान

जासं, लखनऊ : स्किमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग 2024 की ओर से शुक्रवार को जारी रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 91वां स्थान हासिल किया है। इसमें 324 भारतीय संस्थानों ने प्रतिभाग किया था। लवि को यह रैंकिंग रिसर्च, इनोवेशन और डिजिटल आदि की वजह से मिल सकी है।

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि वर्ष 2023 की रैंकिंग में लवि 181 स्थान पर था। अब 91 स्थान लाकर बड़ी उपलब्धि मिली है। स्किमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग एकेडमिक का एक वर्गीकरण है। अनुसंधान-संबंधित संस्थानों को एक समग्र संकेतक द्वारा क्रमबद्ध किया जाता है। यह एक समग्र संकेतक है जो अनुसंधान प्रदर्शन, नवाचार आउटपुट और उनकी वेब दृश्यता (वेबसाइट से) द्वारा मापे गए सामाजिक प्रभाव के आधार पर संकेतकों के तीन अलग-अलग सेटों को जोड़ता है। इसने सामाजिक प्रभाव श्रेणी में बहुत ऊंची रैंकिंग हासिल की है। इसने सामाजिक प्रभाव श्रेणी में 21वीं रैंकिंग हासिल की है। वर्ष 2023 में यह 139वीं रैंक थी। लखनऊ विश्वविद्यालय वैश्विक शैक्षणिक रैंकिंग में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

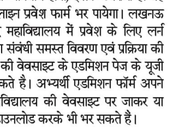

है। 2023 में यह 139वीं रैंक थी। कुलपति ने बताया कि यह शैक्षणिक उपलब्धि हमारी अन्य रैंकिंग के लिए अच्छी है। इसमें अच्छी रैंक हासिल करने के लिए वर्षों से लगातार काम किया जा रहा था। इसके लिए हमारे संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं ने ज्ञान और नवाचार की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गौरतलब है कि हाल ही में लखनऊ विश्वविद्यालय को यूजीसी से उप्र राज्य विश्वविद्यालयों में ग्रेड वन विश्वविद्यालय का दर्जा मिला था। इसके अलावा नैक ए प्लस प्लस ग्रेड के साथ एनआइआरएफ, टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग में भी लखनऊ यूनिवर्सिटी सम्मानित स्थान पा चुकी है।

रैंकिंग रिसर्च, इनोवेशन और डिजिटल आदि क्षेत्रों की वजह से मिली

LUCKNOW (29 MARCH): स्किमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग 2024 की ओर से शुक्रवार को जारी रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 91वां स्थान हासिल किया है. इसमें 324 भारतीय संस्थानों ने प्रतिभाग किया था. लखनऊ यूनिवर्सिटी को यह रैंकिंग रिसर्च, इनोवेशन और डिजिटल आदि की वजह से मिल सकी है.

कई उपलब्धियां दर्ज हैं

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि